[श्री श्वेत मलिक]

होता है, जोकि इस रेलवे के थ्रू हो सकता है, क्योंकि लोगों को मजबूरी में ट्रक्स में भेजना पड़ता है, ट्रांसपोर्ट में भेजना पड़ता है। ट्रांसपोर्ट के लोगों की भी इसमें involvement रही है। स्टेट गवर्नमेंट ने अब 3 साल के बाद land acquisition start किया है, but the process is very slow. So, I request an action from your end to direct the State Government कि इसको expedite किया जाए, ताकि अमृतसर को 70-72 वर्षों के बाद एक बार दोबारा रेलवे का एक नया रूट गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के साथ मिल सके, थैंक यू।

श्रीमती सम्पतिया उइके (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से सम्बद्ध करती हूँ।

श्री अमर शंकर साबले (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान): महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

Problems face by farmers of Kashmir Valley due to heavy snowfall

श्री नज़ीर अहमद लवाय (जम्मू-कश्मीर): मोहतरमुल मुक़ाम चेयरमैन साहब, मैं एक important issue, जो जम्मू-कश्मीर स्टेट से ताल्लुक रखता है, उसकी तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ।

एक महीने पहले कश्मीर घाटी में जो बर्फबारी हुई, उस बर्फबारी की वजह से वहाँ पर जो हॉर्टिकल्चर इंडस्ट्री है, फ्रूट ग्रोअर्स हैं, उनका बड़ा नुकसान हो गया। वहाँ जो पेड़ थे, वे उखड़ गये और कुछ टूट भी गये। वहाँ पर जो किसान काम करते हैं, जो फ्रूट ग्रोअर्स हैं, उन फ्रूट ग्रोअर्स को दवाई भी लानी पड़ती है, वहाँ ट्रांसपोर्ट की फैसिलिटी नही है, बाकी चीज़ों में भी प्रॉब्लम है। कश्मीर में जो हालत पहले से ही खराब थी, उस पर नागहानी आफत की वजह से, जो unexpectedly बर्फबारी हुई, उससे किसानों का बहुत नुकसान हुआ। जम्मू और कश्मीर घाटी की जो इकोनॉमी है, वह तो फ्रूट पर based है। जब फ्रूट का ही नुकसान हुआ, तो सारी घाटी में जो economic strength है, वह बिल्कुल weak हो गयी है।

मैं आपके माध्यम से हमारे एग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूँ कि इससे कश्मीर घाटी में वहाँ के लोगों की जो हालात खराब हो गयी है, उसको assess करने के लिए एक टीम भेज दी जाए। उनके पास ट्रांसपोर्ट फैसिलिटी नही थी, जिससे वे फ्रूट को बाहर के स्टेट्स में ले जायें। वहाँ पर जो मंडियाँ थी, वे भी बंद पड़ी थी। उन मंडियों में जो व्यापारी काम करते थे, उनका भी नुकसान हुआ। वे भी फ्रूट ग्रोअर्स हैं, क्योंकि कश्मीर वैली

में ग्रोअर्स ही व्यापारी हैं। वहाँ जो मंडियाँ थी, वहाँ से बाहर की मंडियों में फ्रूट भेजा जाता था। लेकिन कश्मीर से जम्मू की तरफ जाने वाला हाइवे है, वह रास्ता भी unexpectedly बंद रहा। वह एक दिन खुला रहा, फिर 8 दिन बंद रहा। इन सबसे इस साल फ्रूट ग्रोअर्स का जबरदस्त नुकसान हुआ। जो गरीब लोग उससे ताल्लुक रखते हैं, जो हमारी माताएँ, हमारी बहनें मिल कर गाँवों में काम करती हैं, उनका नुकसान हुआ।

आपके माध्यम से हमारे एग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब से मेरी गुज़ारिश है कि कश्मीर वैली में एक टीम भेज दी जाए, ताकि कश्मीर के जो बागात हैं, उनका assessment किया जाए। मैं खुद भी एक ग्रोअर हूँ। मेरे बागात से जहाँ मुझे 10 लाख आते थे, वहाँ पर अब 1 लाख भी नही आते हैं। मेरा KCC लोन है। उस लोन से हम दवाई लेते हैं, बाकी चीज़ें लेते हैं। मेरी गुजारिश है कि वहाँ जो जनरल पब्लिक है, उनके पास जो बैंक लोन्स हैं, जिसको KCC कहते हैं, उस KCC की वजह से हमारी हॉर्टीकल्चर इंडस्ट्री वहाँ डेवलप हो रही है। इनकम कम हो जाने के चलते हम लोन वापस नही दे पाते हैं। आपके माध्यम से मेरी गुजारिश है कि वह KCC लोन, जो 50,000, 1 लाख, 2 लाख से ज्यादा नही है, उस पर नज़रेसानी किया जाए, ताकि वहाँ के उन गरीबों का जो लोन है, वह माफ किया जा सके, जिससे आगे आने वाले टाइम में वे किसान लोग कुछ न कुछ कमा सकें, थैंक यू।

† جناب نذیر احمد لوائے (جموں-کشمیر) : محترم المقام چیئرمین صاحب، میں ایک ایمپورٹینٹ ایشو، جو جموں کشمیر اسٹیٹ سے تعلق رکھتا ہے، اس کی طرف آپ کا دھیان دلانا چاہتا ہوں۔

ایک مہینے پہلے کشمیر گھاٹی میں جو برفباری ہوئی، اس برفباری کی وجہ سے وہاں پر جو ہورٹیکلچر انڈسٹری ہے، فروٹ گروورس ہیں، ان کا بڑا نقصان ہوا ہے۔ وہاں جو پیڑ تھے، وہ اکھڑ گئے اور کچھ ٹوٹ بھی گئے۔ وہاں پر جو کسان کام کرتے ہیں، جو فروٹ گروورس ہیں، ان فروٹ گروورس کو دوائی بھی لانی پڑتی ہے، وہاں ٹرانسپورٹ کی فیسلٹی بھی نہیں ہے، باقی چیزوں میں بھی پرابلم ہے۔ کشمیر میں جو حالت پہلے سے ہی خراب تھی، اس پر ناگہانی آفت کی وجہ سے، جو unexpectedly برفباری ہوئی، اس سے کسانوں کا بہت نقصان ہوا۔ جموں کشمیر گھاٹی کی جو اکونومی

†Transliteration in Urdu Script.

[श्री नज़ीर अहमद लवाय]

ہے، وہ تو فروٹ پر بیسڈ ہے۔ جب فروٹ کا ہی نقصان ہوا، تو ساری گھاٹی میں جو economic strength ہے، وہ بالکل ویک ہو گئی ہے۔

میں آپ کے مادھیم سے ہمارے ایگریکلچر منسٹر صاحب کا دھیان اس طرف دلانا چاہتا ہوں کہ اس سے کشمیر گھاٹی میں وہاں کے لوگوں کی جو حالت خراب ہو گئی ہے، اس کو assess کرنے کے لئے ایک ٹیم بھیج دی جائے۔ ان کے پاس ٹرانسپورٹ فیسلٹی نہیں تھی، جس سے وہ فروٹ کو باہر کے اسٹیٹس میں لے جائیں۔ وہاں پر جو منڈیاں تھیں، وہ بھی بند پڑی تھیں۔ ان منڈیوں میں جو ویاپاری کام کرتے تھے، ان کا بھی نقصان ہوا۔ وہ بھی فروٹ گروورس ہیں، کیوں کہ کشمیر ویلی میں گروورس ہی ویاپاری ہیں۔ وہاں جو منڈیاں تھیں، وہاں سے باہر کی منڈیوں میں فروٹ بھیجا جاتا تھا۔ لیکن کشمیر سے جموں کی طرف جانے والا ہائی وے ہے، وہ راستہ بھی unexpectedly بند رہا۔ وہ جتنے دن بھی بند رہا، ایک دن کھلا رہا پھر آٹھ دن بند رہا۔ ان سب سے اس سال فروٹ گروورس کا زبردست نقصان ہوا۔ جو غریب لوگ ان سے تعلق رکھتے ہیں، جو ہماری ماتائیں، ہماری بہنیں مل کر گاؤں میں کام کرتی ہیں، ان کا نقصان ہوا۔

آپ کے مادھیم سے ہماری ایگریکلچر منسٹر صاحب سے میری گزارش ہے کہ کشمیر ویلی میں ایک ٹیم بھیج دی جائے، تاکہ کشمیر کے جو باغات ہیں، ان کا assessment کیا جائے۔ میں خود بھی ایک گروور ہوں۔ میرے باغات سے جہاں مجھے دس لاکھ آتے تھے، وہاں پر اب ایک لاکھ بھی نہیں آتا ہے۔ میرا سرکار سے لون ہے۔ اس لون سے ہم دوائی لیتے ہیں، باقی چیزیں لیتے ہیں۔ میری گزارش ہے کہ وہاں جو جنرل پبلک ہے، اس کے پاس جو بینک لونس ہیں، جس کو کے۔سی۔سی۔ کہتے ہیں، اس کے۔سی۔سی۔ کی وجہ سے ہماری ہورٹیکلچر انڈسٹری ڈیولپ ہو رہی ہے۔ اس کے چلتے ہم لون نہیں دے پاتے ہیں۔ آپ کے مادھیم سے میری گزارش ہے کہ وہ

†Transliteration in Urdu Script.

کے۔سی۔سی۔ لون، جو پچاس ہزار، ایک لاکھہ، دو لاکھہ سے زیادہ نہیں ہے، اس پرنظر
ثانی کیا جائے، تاکہ غریبوں کو جو لون ہے، وہ معاف کیا جا سکے، جس سے آگے آنے
والے ٹائم میں وہ کسان لوگ کچھہ نہ کچھہ کما سکیں۔ تھینک یو۔ (ختم شد)

SHRI ELAMARAM KAREEM (Kerala): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K.K. RAGESH : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K. SOMAPRASAD : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BINOY VISWAM : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Impact of global climate change on India

DR. ANBUMANI RAMADOSS (Tamil Nadu): Sir, I would like to bring an important thing to the notice of this House, namely, climate change which impacts not only India but also the entire world. About one hundred and fifty years before, the average temperature of the earth was fourteen degree centigrade. Today, after the industrial revolution, it has increased by 1.1 degree. It has come to 15.1 degree centigrade. Sir, one degree increase of temperature itself is causing huge global natural calamities. It is time that we all took action against that. Taking the case of India this year, we had the Mumbai deluge, floods. Then, we had four cyclones in the Arabian Sea this season. Earlier, this was never happening. We had a cyclone during the summer in Odisha this year! This year, near Ooty, there is a place called Avalanchi in Tamil Nadu. We had a rainfall of 911 mm in one day! That is the highest record ever in Tamil Nadu. The entire State's average rainfall for one whole year is only 950 mm. This year, we had the warmest temperatures happening in Europe. We had huge forest fires. Sir, the climate change is because of burning of fossil fuels and of course, coal-based thermal plants,